कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय .... हिन्दी अनिवार्य

परीक्षा का दिन...........

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायें ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी

(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ...... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 158/2016

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़े नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तकें, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

1\. (अ) 'विचार लो कि मर्त्य हो' इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि मृत्यु जीवन का अटल व अन्तिम सत्य अत: उससे मत डरो बल्कि ऐसे कार्य करो जिनसे तुम्हे मरने के बाद भी याद किया जाय।

(ब) पशु की प्रवृति वह है जो केवल अपने लिए जीना चाहता हो, स्वार्थ की भावना रखता हो तथा जो सोचता हो कि केवल वह और वह ही खाये, वो पशु के समान ही है।

(स) सृष्टि मे सदा उसी को की कीर्ति का प्रसार होता है जो उदार हृदय से परार्थ के लिए कार्य करता है। जिसमे स्वार्थी प्रवृति नही होती है।

(द) पंक्ति का भाव है कि मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे अर्थात सामाजिक कल्याण की भावना के साथ जिए। अपना सब कुछ मनुष्य जाति के कल्याण हेतु न्यौछावर कर दे।

2\. (अ) राष्ट्रीय जागरण के लिए युवाओं के जोश, उनकी सहभागिता राष्ट्रीय भावना को जगाने की महत्ती आवश्यकता है।

(ब) "स्वतंत्रता के पश्चात हमारा तेजी से आगे बढ़ना, हमारी कठिनाइयों मे वृद्धि का कारण बना"।

(स) सु + आव + अन + उ
(उपसर्ग) (शब्द) (प्रत्यय)

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

(द) शीर्षक - राष्ट्रीय जागरण
या राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण

3. कन्या भ्रूण हत्या - मानवता पर कलंक

प्रस्तावना - विधाता ने सृष्टि निर्माण मे नर व नारी की समान आवश्यकता बतायी है। इनके संसर्ग से पिढ़िया बनेगी और सृष्टि का चक्कर आगे बढ़ेगा। लेकिन वर्तमान कुछ कारणो से नारी को दुर्बल, कमजोर समझा गया है और पुरुष प्रधान समाज ने उसके जन्म मे हस्ताक्षेप किया है जो सृष्टि के नियमों के विरुद्ध है। कन्या भ्रूण मे ही मारी जाती है यह अस्वाभाविक कृत्य समाज के लिए अभिशाप है।

कन्या भ्रूण हत्या के कारण - वर्तमान मे विज्ञान ने तीव्र वृद्धि की है, अतः मशीनी उपाय है जो भ्रूण मे लिंग ज्ञात कर सकते है। कि लेकिन हम इसके लिए विज्ञान को दोष नही दे सकते क्यों कि विज्ञान मानव के उपयोग पर निर्भर करती है। कन्या भ्रूण हत्या के पिछे कई सामाजिक, आर्थिक कारक है। लोगो की मानसिकता है कि कन्या को पढ़ाने, पालन-पोषण करने के बाद उसकी शादी करनी पड़ती है जिसमे दहेज इत्यादि पर आर्थिक व्यय करना पड़ता है। कुछ लोग आशंकित करते है कि लड़कियों के कुत्य से उन पर सामाजिक कलंक लग जायेगा। इस प्रकार अनावश्यक अर्थ हानि और सामाजिक कलंक से बचने के लिए

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विशेषकर मध्यवर्गीय व निम्न वर्गीय परिवारों में कन्या के जन्म को अमंगलकारी माना जाता है।

कन्या भ्रूण हत्या के प्रभाव - एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रति दिन ढाई हजार कन्या भ्रूणों की हत्या की जाती है। जिससे कई राज्यों का लिंगानुपात असंतुलित हो गया है। जिसके कारण कई सुयोग्य युवकों की शादी नही हो पा रही है। यह स्थिति हरियाणा, पंजाब व दिल्ली में सर्वाधिक है। इसी कुप्रभाव से बचने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में [illegible] किया जाता है। इस प्रकार कन्या भ्रूण हत्या के कारण [illegible] असंतुलन पैदा हो रहा है जिसके और भी भयानक परिणाम [illegible] को मिल सकते है।

कन्या भ्रूण हत्या रोकने के उपाय - इस कुकृत्य को रोकने हेतु सरकार ने कई योजनाये बनायी है। कन्या लिंग निदान अधिनियम 1994 के अनुसार भ्रूण में लिंग ज्ञात करना जघन्य अपराधो की श्रेणी में आता है और इसके लिए कठोर दण्ड के प्रावधान है। कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए बालिका निःशुल्क शिक्षा, महिला एवं बालिका सशक्तिकरण योजना जैसी योजनाओ को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बालिकाओ को भी अपनी छवि सुधारनी चाहिए उन्हें स्वयं मे सुचारित्र का निर्माण करना चाहिए। इस प्रकार इन उपायो को अपनाकर इस [illegible] समस्या का निवारण किया जा सकता है।

उपसंहार - प्राचीन काल मे कन्याओं [illegible] का दर्जा प्राप्त था। वर्तमान मे भी [illegible]

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

क्षेत्र मे अपनी प्रतिभा दिखाने मे कमजोर नही है। फिर भी समाज के कुछ वर्गों मे कन्या के जन्म को अशुभ माना जाता है। इस कुरूता को रोकने के लिए हमारी जागरूकता की महती आवश्यकता है।

५.

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग

21 फरवरी, जयपुर। शहर मे ध्वनि विस्तारक यंत्रों का अनियंत्रित उपयोग किया जा रहा है। शहर के कई इलाकों मे जागरण, पार्टियां, शादि समारोह आदि के आयोजनों मे लाउडस्पीकरों को ऊंची ध्वनि मे बजाया जाता है। जिनसे शहरवासियों और विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ये ध्वनि विस्तारक यंत्र उद्घोषणा करने मे सहायक तो है ही लेकिन आमजन की समस्या भी बढा रहे है। अतः आवश्यकता है कि इनके उच्च आवाज मे प्रयोग किये जाने व रात मे दस बजे के बाद इनके उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाये। उल्लंघन होने पर संबंधित अधिकारी उचित कार्यवाही करे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5. 56, कुमावतों की ढाणी
कोटा
5 नवंबर 2016
जिला कलेक्टर महोदय
कोटा (राज०)
विषय - ~~[illegible]~~ मुआवजा दिलाने हेतु।
महोदय
उपरोक्त विषय में निवेदन है कि इस वर्ष अनावृष्टि व सूखे के कारण किसानों की [illegible] की [illegible] फसल खराब हो गयी है। राजस्व अधिकारियों ने [illegible] [illegible] भी पूरी कर ली है, लेकिन किसानों को मुआवजा [illegible] नहीं दिया गया है।
अतः निवेदन है कि शीघ्रातिशीघ्र राज्य सरकार से किसानों को मुआवजा राशि दिलवाने की कृपा करें ताकि रबी की फसलों की बुआई बाधित न हो।
सह धन्यवाद।
भवदीय
राधामोहन सिंह।

किसानों की समस्यायें.

6. भारतीय अर्थव्यवस्था [illegible] की रीढ़ [illegible] वाली कृषि का [illegible], किसान [illegible] [illegible] हुआ [illegible] है। एक तो भारतीय कृषि [illegible] निर्भर [illegible] की है और वर्तमान में बदलते मौसम [illegible] समस्यायें बढ़ा दी है। कभी अनावृष्टि, सूखा [illegible] अतिवृष्टि

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बाढ़ तो कभी फसली रोग किसानों की हताश करते हैं। इन्हीं फसल खराबो से आक्रांत किसान कर्जों के बोझ तले दब जाता है और आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर हो जाता है। भारत का किसान अनेक समस्याओं से घिरा रहकर घिसी-पिटी जिंदगी जीने को विवश है।

7. **नयी पीढ़ी के घटते संस्कार**

आधुनिकता के नाम पर नयी पीढ़ी मे जो बदलाव आये हैं वे कहीं न कहीं भारतीय मूल संस्कारों के ह्रास को दर्शा रहे हैं। इन नव परिवर्तनों के कारण उन्मुक्तता, नग्नता और युवकों फैशनपरस्ती जैसी कई नयी अपराधो को जन्म हो रही है। समाज के बड़े-बुजुर्ग, प्राचीन संस्कारो के पोषक, इनके सामने उपेक्षा के शिकार हो रहे। जीवन स्तर मे सुधार, नवीन उपलब्धिया प्राप्त करने मे भले ही ये सहायक हो किन्तु पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण करना सही नही है। इससे भारतीय संस्कृति अपनी पहचान, विरासत खोती नजर आ रही है। इन घटते हुये संस्कारों ने हमे फिर से पराधीनता की स्थिति में ला दिया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	8.	(अ) विभिन्न वर्गों के लोग रोजगार न मिलने के कारण आजीविका संकट आ जाने से दुखी और व्याकुल है।
		(ब) जीविका-विहीन लोग आपस मे कहते है कि अब कहा जाये और क्या करे इस प्रकार आपस मे सांत्वना देकर वे लोग अपना दुख व्यक्त करते है।
		(स) तुलसी ने गरीबी की तुलना रावण से की है क्योंकि जिस प्रकार रावण के अत्याचारों से जनता दुखी और व्याकुल थी उसी प्रकार आज गरीबी से लोग हलाक है।
		(द) इस काव्यांश मे समाज के सभी वर्गों मे व्याप्त भुखमरी, बेरोजगारी और गरीबी पर आक्षेप किया गया था। सभी लोग जीविका-विहीन होकर दुखी थे।
	9.	(अ) पंक्तियों के माध्यम से कवि हरिवंश राय बच्चन जी संसार के साथ अपने संबंधों को व्यक्त करते है उन्हे ये संसार प्रेम के अभाव के कारण अधुरा-सा लगता है। कवि ने स्वयं को अपनी मस्ती मे ही मस्त रहने वाला बताया है।
		(ब) काव्यांश की भाषा अत्यंत सरल एवं आकर्षक है। खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग हुआ है। [illegible] अनुप्रास अलंकार दृष्टव्य है। कुछ तत्सम शब्दों का [illegible] हुआ है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

10. (अ) बसंत ऋतु के आ जाने पतंगबाजी का माहौल ही बन जाता है बच्चे आकाश मे रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ाते है, इस प्रकार रंग-बिरंगी पतंगो से भरा हुआ आकाश इन बच्चो के लिए तितलियों की नाजुक दुनिया के समान है।

(ब) 'उषा' कविता मे बताया गया है कि जब सूर्य उदय से कुछ पूर्व हल्के अंधेरे के कारण नभ स्लेटी रंग का रहता है और इसमे कुछ सूरज की लाली मिल जाने से वातावरण ऐसा ही जाता है जैसे स्लेट पर किसी ने लाल खड़िया चाक मल दी हो।

11. (क) भक्तिन को हनुमान जी स्पर्धा करने वाली बतलाया गया है क्यों कि वह भी हनुमान जी की भाँति अपने सेविका धर्म का निर्वहन करती थी। वह सच्चे अर्थो मे एक सेविका थी।

(ख) जब नाम के अनुरूप यश, ~~कीर्ति~~ कीर्ति नही मिल पाती है, नाम के अनुरूप अपनी दशा या स्थिति न होने पर नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है जैसे- गरीब चंद नाम का व्यक्ति अमीर हो, तथा धनपतराय एक गरीब भीखारी हो।

(ग) लक्ष्मी अपना नाम भक्तिन पाकर गद्गद हो उठी क्यों कि "लक्ष्मी" के नाम के अनुरूप उसमे गुण व दशा नही थी। वह धनधान्य से परिपूर्ण नही थी।

और अब उसकी केवी माता के अनुरूप उसका नाम मकिलन रख दिया तो वह गद्‌गद् हो उठी।

12. (अ) शिरीष के फूल के माध्यम से लेखक विपरित परिस्थितियों मे भी जिजीविषा बनाये रखने की प्रेरणा देता है। जिस प्रकार शिरीष के फूल भयंकर तप्त पहाड़ो मे भी शीतलता का आभास कराते है। हमे भी जीवन की विभिन्न स्थितियों, सुख दुख मे शीतल बने रहना चाहिए।

(ब) 'नमक' कहानी की संवेदना यह है कि चाहे दो देशो के मध्य धर्म व राजनिति के आधार पर बटवारा हो गया हो लेकिन ये राजनैतिक रेखाये उनके दिलो मे अपनी-अपनी मातृभूमि, जन्मभूमि के प्रति प्रेम को कम नही कर सकती। उन्हे अभी भी धीरे-धीरे सब ठीक हो जाने की आशा है।

(द) जाति प्रथा से देश की आर्थिक हानि भी है, क्योंकि [illegible] जाति प्रथा का ही रूप है और इसी के कारण कई कुशल निपुण व्यक्ति अपनी रुचि के अनुसार [illegible] नहीं कर पाते और उनकी प्रतिभा उनके अंदर ही छिपी रह जाती है। [illegible] निरसता व बेरोजगारी का अनुपात [illegible] पूर्ण श्रम सहभागिता नही रह पाती है जिससे [illegible] आर्थिक नुकसान भी होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

13. (अ) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के माध्यम से कहानीकार कहना चाह रहा है कि हमें नयी उपलब्धियों को ग्रहण करें और नये ज़माने के साथ चलने के लिए आधुनिकता को अपनाना चाहिए लेकिन पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण उचित नहीं है। इससे मानवीय मूल्यों का ह्रास होता है।

(ब) पुरातत्ववेत्ताओं ने महाकुंड के उत्तर-पूर्व में मिले खुले दालान व तीन ओर विशाल बरामदे वाली इमारत जिसे धार्मिक अनुष्ठान का स्थान, सभा भवन या सामुदायिक केन्द्र माना है। इसमें ही अठारह खम्भों का एक बड़ा हॉल है जिसे 'कॉलेज ऑफ प्रीस्टस' की संज्ञा दी गई है।

14. (अ) ऐन फ्रैंक कहती है कि प्रकृति ही तो ऐसा वरदान है जिसका कोई सानी नहीं है, क्योंकि प्रकृति कभी भी अमीर-गरीब या किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करती है। प्रकृति सभी के लिए समान रूप से उपस्थित होती है, सभी को समान दृश्य व लाभ उपलब्ध कराती है। अतः प्रकृति मानव जाति के लिए एक वरदान है जिसका कोई मुकाबला नहीं है अर्थात् इसके समान कोई भी नहीं है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ब) सिन्धु-घाटी सभ्यता से प्राप्त अवशेषों के आधार पर कहा जा सकता है कि यहाँ पर गेहूँ, जौ, सरसों की खेती की जाती थी। लोग रबी की फसल लेते थे। इस कारण अनुमान लगाया जा सकता है कि यहाँ कि भूमि उपजाऊ व सिंचाई की सुविधा उपलब्ध थी। इसलिए पुरातत्वेताओं ने सिन्धु सभ्यता को "नर सभ्यता" बताया है।

15. (अ) यशोधर बाबू आनन्दघा के विचारों से प्रभावित थे और वे प्राचीन परंपराओं के पोषक थे। वे अपने बच्चों से अपेक्षा रखते थे कि वे उन्हें बुजुर्ग समझे और अनुभवों का पर्याय मानकर उनसे सलाह ली। वे अपने बच्चों से एक बुजुर्ग के समान सम्मान पाना चाहते है। और वे बच्चों से अपेक्षा करते थे कि वे (बच्चे) उनकी परपंराओं के निर्वहन में सहायता करें। लेकिन स्थितियाँ इसके विपरित थी। यशोधर बाबू इसलिए बच्चों की उपेक्षा के शिकार थे। उनका अपने बच्चों के साथ सैद्धान्तिक मतभेद था। यशोधर जी की [illegible] [illegible] [illegible] बच्चों की पैरवी करती थी।

5. ~~पत्र क्रमांक राउमावि/2018~~

5. पत्र क्रमांक 22/56
दिनांक 15 सितंबर 2015
निदेशक
माध्य० शिक्षा राजस्थान
बिकानेर
विषय - व्याख्याता ~~के~~ ~~रिक्त~~ ~~के संबंध में~~ नियुक्ति हेतु।
महोदय
उपरोक्त विषय मे निवेदन है कि शिक्षा सत्र के दो माह बाद भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चौरू मे अंग्रेजी विषय के व्याख्याता का पद रिक्त है। जिससे उच्च माध्यमिक स्तर की अध्ययन व्यवस्था बाधित हो रही है।
अतः निवेदन है कि यथाशीघ्र अंग्रेजी व्याख्याता की नियुक्ति की जाये जिससे आगामी बोर्ड परिक्षाओं मे बेहतर परिणाम के लिए उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाये सुचारू रूप से चलायी जा सके।
भवदीय
रामकिशोर शर्मा
प्रधानाचार्य
राज० उच्च माध्यमिक विद्यालय
चौरू।

रामफल